एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 06, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2026)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

किसान उत्पादक संगठन (FPO) द्वारा प्रसंस्कृत सब्जियों के निर्माण एवं विपणन की परियोजना: एक अवलोकन

*डॉ. रमेश कुमार शर्मा, पापिया विश्वास, डॉ. राम बाबू रमन एवं डॉ. अंकेश कुमार चंचल
उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय, नालंदा (बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: drramesharma@rediffmail.com

यह परियोजना किसान उत्पादक संगठन (FPO) के माध्यम से स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित ताज़ी सब्जियों का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने पर आधारित है। प्रस्तावित इकाई में डिहाइड्रेटेड सब्जियाँ, अचार, सॉस, पेस्ट तथा कटी-पैक्ड सब्जियों का निर्माण किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना, कृषि उत्पादों की बर्बादी को कम करना, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन करना तथा संगठित विपणन व्यवस्था विकसित करना है। इस परियोजना में लगभग ₹25 लाख का निवेश प्रस्तावित है, जिससे वार्षिक ₹20–22 लाख का शुद्ध लाभ अनुमानित है।

परियोजना की पृष्ठभूमि एवं आवश्यकता

भारत में सब्जी उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है, परंतु भंडारण एवं प्रसंस्करण की कमी के कारण 20–30% तक उपज नष्ट हो जाती है। छोटे एवं सीमांत किसान बिचौलियों पर निर्भर रहते हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त नहीं हो पाता।

FPO के माध्यम से सामूहिक उत्पादन एवं प्रसंस्करण करने से:

- लागत में कमी आती है
- किसानों की सौदेबाजी शक्ति बढ़ती है
- बाजार तक सीधी पहुँच संभव होती है

यह परियोजना क्षेत्रीय कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहायक होगी।

किसान उत्पादक संगठन (FPO) का विवरण

- संगठन का प्रकार: Producer Company (कंपनी अधिनियम 2013)
- सदस्य संख्या: 100–300 किसान
- मुख्य गतिविधि: सब्जी उत्पादन, संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन
- कार्य क्षेत्र: ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्र

परियोजना के उद्देश्य (Objectives)

1. किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना
2. सब्जियों के प्रसंस्करण द्वारा मूल्य संवर्धन
3. कृषि उपज की बर्बादी को कम करना
4. स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन
5. FPO को आत्मनिर्भर व्यावसायिक इकाई बनाना

परियोजना का स्थान (Location)

प्रस्तावित परियोजना ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्र में स्थापित की जाएगी, जहाँ:

- सब्जियों का प्रचुर उत्पादन होता हो
- सड़क, बिजली एवं पानी की सुविधा उपलब्ध हो
- बाजार एवं मंडी तक सुगम पहुँच हो

उत्पाद विवरण (Product Profile)

मुख्य प्रसंस्कृत उत्पाद

- डिहाइड्रेटेड सब्जियाँ (प्याज, लहसुन, टमाटर, भिंडी आदि)
- कटी एवं साफ-पैक सब्जियाँ
- फ्रोजन सब्जियाँ (वैकल्पिक)

मूल्य संवर्धित उत्पाद

- मिक्स वेजिटेबल अचार
- टमाटर सॉस / प्यूरी
- अदरक-लहसुन पेस्ट
- वेजिटेबल चिप्स

उत्पादन प्रक्रिया (Manufacturing Process)

डिहाइड्रेटेड सब्जियाँ

कच्चा माल प्राप्ति → सफाई एवं ग्रेडिंग → कटिंग → ब्लैंचिंग → ड्रायर में सुखाना → पैकिंग

अचार एवं सॉस

सामग्री तैयारी → मिश्रण → पकाना → स्टेरिलाइजेशन → पैकिंग

कटी-पैक्ड सब्जियाँ

धुलाई → कटिंग → फूड ग्रेड पैकिंग → रेफ्रिजरेशन

मशीनरी एवं उपकरण

मशीनरी	अनुमानित लागत (₹)
वेजिटेबल वॉशिंग मशीन	1,00,000
कटिंग/स्लाइसिंग मशीन	80,000
ब्लैंचिंग यूनिट	1,20,000
सोलर/इलेक्ट्रिक ड्रायर	3,50,000
पैकिंग एवं सीलिंग मशीन	60,000
डीप फ्रीजर (वैकल्पिक)	1,20,000
अन्य उपकरण	1,50,000
कुल	**10–12 लाख**

अवसंरचना सुविधा (Infrastructure)

- 800–1200 वर्गफुट उत्पादन शेड
- बिजली एवं पानी की व्यवस्था
- फूड ग्रेड फर्श व ड्रेनेज
- अनुमानित किराया: ₹10,000–15,000 प्रति माह

मानव संसाधन (Manpower)

पद	संख्या
मैनेजर / सुपरवाइज़र	1
मशीन ऑपरेटर	2
हेल्पर / पैकिंग स्टाफ	4

कुल मासिक वेतन व्यय: लगभग ₹70,000

लाइसेंस एवं वैधानिक अनुमतियाँ

- FSSAI लाइसेंस
- Udyam (MSME) पंजीकरण
- GST पंजीकरण (यदि लागू)
- ट्रेड लाइसेंस

परियोजना लागत (Project Cost)

स्थायी पूंजी (Fixed Capital)

मद	राशि (₹)
मशीनरी एवं उपकरण	12,00,000
भवन सुधार	1,50,000
फर्नीचर व अन्य	1,50,000
कुल	**15,00,000**

कार्यशील पूंजी (Working Capital – 3 माह)

मद	राशि (₹)
कच्चा माल	6,00,000
वेतन	2,10,000
पैकेजिंग एवं अन्य	1,90,000
कुल	**10,00,000**

कुल परियोजना लागत: ₹25,00,000

आय एवं लाभ का अनुमान

- अनुमानित मासिक बिक्री: ₹4,50,000
- मासिक परिचालन व्यय: ₹2,70,000
- मासिक शुद्ध लाभ: ₹1,80,000
- वार्षिक शुद्ध लाभ: ₹20–22 लाख

विपणन रणनीति (Marketing Strategy)

- स्थानीय बाजार एवं मंडी
- किराना दुकानें एवं सुपरमार्केट
- होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग यूनिट
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (ONDC, Amazon)
- सोशल मीडिया एवं प्रत्यक्ष बिक्री

सरकारी योजनाएँ एवं वित्तीय सहायता

- SFAC / NABARD: FPO को ₹15–18 लाख तक सहायता
- PMFME (ODOP): 35% सब्सिडी
- PMKSY: फूड प्रोसेसिंग एवं कोल्ड चेन सहायता
- CGTMSE: बिना गारंटी ऋण सुविधा

जोखिम एवं निवारण उपाय

जोखिम	समाधान
कच्चे माल की अनियमितता	अनुबंध खेती / FPO सप्लाई
बाजार उतार-चढ़ाव	बहु-उत्पाद रणनीति
पूंजी की कमी	सरकारी सब्सिडी व बैंक ऋण

निष्कर्ष (Conclusion)

प्रस्तावित परियोजना आर्थिक रूप से व्यवहार्य, सामाजिक रूप से लाभकारी तथा किसानों के लिए स्थायी आय का स्रोत है। FPO के माध्यम से प्रसंस्कृत सब्जियों का यह व्यवसाय किसानों को संगठित बाजार, बेहतर मूल्य एवं आत्मनिर्भरता प्रदान करेगा।